भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *171 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024/11 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाना है

पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन को वित्तीय सहायता

†*171. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आंध्र प्रदेश में मछलीपट्टनम पत्तन का निर्माण कार्य शुरू हो गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके कब तक पूरा होने की संभावना है;

(ग) इस पत्तन के लिए पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) को प्रदान की जा रही वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या उक्त पत्तन को प्रधानमंत्री गति शक्ति के अंतर्गत शामिल किया गया है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन को वित्तीय सहायता" के संबंध में श्री बालाशौरी वल्लभनेनी द्वारा पूछे गए दिनांक 02 अगस्त, 2024 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *171 के उत्तर के भाग (क) से (घ) तक में संदर्भित विवरण

(क) से (ग): महापत्तनों के अलावा अन्य पत्तन (गैर-महापत्तन) संबंधित राज्य सरकारों की प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत हैं। मछलीपट्टणम पत्तन आंध्र प्रदेश राज्य में एक गैर-महापत्तन है। आंध्र प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि आंध्र प्रदेश राज्य में मछलीपट्टणम पत्तन का निर्माण कार्य 21 अप्रैल, 2023 को शुरू किया गया था, जो कि अक्तूबर, 2025 तक पूरा किया जाना निर्धारित है।

उच्च सामाजिक प्रभाव किन्तु कोई रिटर्न नहीं अथवा रिटर्न की निम्न आंतरिक दर वाली परियोजनाओं को पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय की सागरमाला योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। सागरमाला योजना के अंतर्गत् भारत सरकार द्वारा मछलीपट्टणम पत्तन को अभी तक कोई भी धनराशि उपलब्ध नहीं कराई गई है। तथापि, इस पत्तन के विकास के लिए आंध्र प्रदेश समुद्री बोर्ड (एपीएमबी) की एक अनुषंगी, मछलीपट्टणम पत्तन विकास निगम लिमिटेड (एमपीडीसीएल) को पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) द्वारा 3,940.42 करोड़ रु. का सावधि ऋण स्वीकृत किया गया है।

यह भी सूचित किया जाता है कि आंध्र प्रदेश राज्य में विशाखापट्टणम पत्तन प्राधिकरण तथा आईडब्ल्यूएआई द्वारा अपने आंतरिक संसाधनों से 4,600 करोड़ रु. की संचयी लागत से कुल 36 परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इन 36 परियोजनाओं में से ~2530 करोड़ रु. मूल्य की 22 परियोजनाएं पूरी हो गई हैं और ~2070 करोड़ रु. मूल्य की 14 परियोजनाएं कार्यान्वयन और विकास के विभिन्न चरणों के अंतर्गत हैं। विश्वभर के यात्रियों की आवश्यकता की पूर्ति हेतु विशाखापट्टणम पत्तन में एक अत्याधुनिक अंतर्राष्ट्रीय क्रूज सह तटीय टर्मिनल निर्मित किया गया है।

यहां पर यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक है कि पिछले दशक के दौरान, वर्ष 2022-23 में राष्ट्र की पत्तन क्षमता ~2,500 एमटीपीए से अधिक थी (वर्ष 2014-15 के सापेक्ष 86% की वृद्धि) और महापत्तनों पर कार्गो हैंडलिंग क्षमता दोगुनी हो गई है। सागरमाला पहल के अंतर्गत, मुंबई और विशाखापट्टणम में दो समुद्री और पोतनिर्माण उत्कृष्टता केन्द्र (सीईएमएस) परिसर स्थापित किए गए हैं। भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय परिसर में 18 प्रयोगशालाओं के साथ विशाखापट्टणम स्थित समुद्री और पोतनिर्माण उत्कृष्टता केन्द्र (सीईएमएस) एशिया में अपनी तरह का पहला है। इस संस्थान द्वारा 10,000 से अधिक छात्रों को रोजगार-योग्य अभियांत्रिकी और तकनीकी कौशल प्रदान किया गया है।

(घ): आंध्र प्रदेश सरकार ने पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन से ऋण लेकर परियोजना के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त कर ली है, इसलिए इस परियोजना को पीएम गतिशक्ति के अंतर्गत नहीं लिया गया।

*****